खबर संक्षेप

पंचायत की एनओसी गायब

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उधिया इन दिनों भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मनमानी का नया अड्डा बन गई है। यहां दूरसंचार विभाग के नियमों और पंचायत राज अधिनियम की धज्जियां उड़ाते हुए एक मोबाइल टावर खड़ा किया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस टावर की तकनीकी स्वीकृति किसी और पंचायत के लिए थी, लेकिन रसूख और सांठगांठ के दम पर इसे उधिया में गाड़ दिया गया है, मंगलवार, 24 मार्च 2026 को जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से लेकर जिला पंचायत सीईओ तक गुहार लगाई है कि इस अवैध निर्माण को तत्काल रोका जाए । मामले में गंभीर प्रशासनिक अनियमितता के आरोप लगे हैं, जानकारी के मुताबिक, उक्त मोबाइल टावर की स्वीकृति तकनीकी रूप से ग्राम पंचायत नरगी के पड़रिया क्षेत्र के लिए जारी की गई थी, लेकिन संबंधित एजेंसी ने नियमों को ठेंगे पर रखते हुए इसे ग्राम पंचायत उधिया की सीमा में स्थापित कर दिया। आखिर वह कौन सी शक्ति है जो एजेंसी को एक पंचायत की अनुमति पर दूसरी पंचायत में टावर खड़ा करने की छूट दे रही है? इस निर्माण की सबसे काली सच्चाई यह है कि उधिया ग्राम पंचायत से इसके लिए कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र तक नहीं लिया गया है, स्वयं पंचायत सचिव ने इस बात को स्वीकार किया है कि न तो ग्राम सभा से कोई अनुमति ली गई और न ही पंचायत को इसकी कोई आधिकारिक जानकारी है, बिना अनुमति के हो रहा यह निर्माण संबंधित एजेंसी और विभाग के अधिकारियों के बीच गहरी मिलीभगत की ओर सीधा इशारा करता है।

ग्रामीणों ने शिकायत में उल्लेख किया है कि एक ही स्थान पर दो अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल टावर लग जाने से क्षेत्र में रेडिएशन का खतरा दोगुना हो गया है। इससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पडऩे की आशंका है। बावजूद इसके, बार-बार की गई शिकायतों को अनसुना कर निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है। सुनील साहू, जगदीश बैगा, गीता यादव और रामकुमार समेत दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त शिकायत सौंपकर मांग की है कि इस अवैध टावर निर्माण पर तुरंत रोक लगाई जाए । फरियादियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे । अब देखना यह है कि सोहागपुर प्रशासन इस तकनीकी गड़बड़ी और अवैध निर्माण पर कब तक आंखें मूंदे रहता है या फिर दोषियों पर शिकंजा कसा जाएगा।

पेंशन से पहले जांच पूरी करने की मांग तेज

करोड़ों का 'पेंट घोटाला' रिटायर डीईओ पर आरोप

शहडोल। शहडोल में स्कूल शिक्षा विभाग के बहुचर्चित पेंट घोटाले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। सेवानिवृत्त प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची पर करोड़ों रुपये के गबन के आरोपों के बीच बिना जांच पूरी हुए पेंशन व अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। मामला अब उच्च न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन है, जिससे किसी भी समय बड़ा फैसला आ सकता है।संभाग में स्कूल शिक्षा विभाग के नाम पर हुए कथित करोड़ों के पेंट घोटाले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे मामले के केंद्र में रहे प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची 31 जनवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में हुए वित्तीय अनियमितताओं की जांच अब तक पूरी नहीं हो पाई है। मामले में प्राप्त दस्तावेजों और शिकायतों के अनुसार, विद्यालयों में अनुरक्षण और पेंटिंग कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, जिनमें भारी अनियमितताओं के आरोप हैं। इस घोटाले की शिकायतें अनूप द्विवेदी, लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता सहित अन्य लोगों द्वारा लोकायुक्त भोपाल, जिला प्रशासन और सीएम हेल्पलाइन में की गई हैं।

इसी प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में जनहित याचिका क्रमांक 41839/2025 दायर की गई है, जो वर्तमान में विचाराधीन है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब मामला न्यायालय में लंबित है, तब सेवानिवृत्त अधिकारी को पेंशन और अन्य लाभ देने की प्रक्रिया क्यों तेज की जा रही है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, शहडोल संभाग द्वारा जारी पत्र क्रमांक/सर्तकता/2026/4192 दिनांक 23 मार्च 2026 में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि फूल सिंह मरपाची के पेंशन

प्रकरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाना प्रस्तावित है, लेकिन इसके लिए आवश्यक मूल अभिलेख अब तक प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। पत्र में यह भी निर्देशित किया गया है कि संबंधित अधिकारी 25 मार्च 2026 को समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों, ताकि ऑडिट प्रक्रिया पूरी की जा सके।

इसके बावजूद, शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि नियमों के विपरीत तरीके से ऑडिट दल गठित कर मामले को मनमाने ढंग से निपटाने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप यह भी है कि जांच समिति द्वारा प्रस्तुत तथ्यों को दरकिनार कर बचाव पक्ष का प्रतिवेदन आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल को भेजा गया, जिससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। एक अन्य पत्र, क्रमांक/विधि/2026/4005 दिनांक 27 फरवरी 2026 में संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि इस प्रकरण की जांच रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय भोपाल से प्राप्त करना सुनिश्चित करें। इससे यह स्पष्ट होता है कि मामला उच्च स्तर पर विचाराधीन है और अभी अंतिम निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा है।

गौरतलब है कि फूल सिंह मरपाची के खिलाफ यह पहला मामला नहीं है। आरोप है कि वे जिले के विभिन्न विद्यालयों विशेष रूप से बुढ़ार और अन्य क्षेत्रों में पदस्थ रहते हुए भी इसी तरह के वित्तीय घोटालों में संलिप्त रहे हैं। ऐसे में व्यापक ऑडिट और निष्पक्ष जांच की मांग लगातार उठ रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि जांच पूरी होने से पहले ही सेवानिवृत्त अधिकारी को पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ दे दिए जाते हैं, तो बाद में करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी की वसूली कैसे होगी। नियमों के अनुसार, गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में जांच पूरी होने तक भुगतान रोका जा सकता है, लेकिन यहां प्रक्रिया उलटी नजर आ रही है।

प्रशासनिक हलकों में भी इस बात को लेकर चर्चा है कि यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो यह मामला अन्य मामलों के लिए भी उदाहरण बन सकता है, जहां आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्ति के बाद जवाबदेही से बच निकलते हैं। फिलहाल, पूरे मामले की निगाहें उच्च न्यायालय जबलपुर पर टिकी हैं, जहां लंबित जनहित याचिका पर आने वाला निर्णय इस घोटाले की दिशा तय कर सकता है। वहीं स्थानीय स्तर पर भी पारदर्शी जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग तेज होती जा रही है। शहडोल का यह पेंट घोटाला न सिर्फ आर्थिक अनियमितता का मामला है, बल्कि यह शासन-प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता की भी बड़ी परीक्षा बन चुका है।

लाचार बुजुर्ग की पुश्तैनी जमीन पर दबंगों का कब्जा

कलेक्टर साहब! मेरी जमीन बचा लो, दबंग दे रहे जान से मारने की धमकी

शहडोल। जिले के खैरहा में कानून का इकबाल खत्म होता नजर आ रहा है। यहां एक रसूखदार दबंग शहाबाल ने अपनी गैंग के दम पर न केवल सरकारी तंत्र को चुनौती दी है, बल्कि एक गरीब, दृष्टिबाधित और बेसहारा बुजुर्ग की पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा जमा लिया है। पीड़ित अब्दुल मतीन न्याय की गुहार लेकर दर-दर भटक रहा है, लेकिन रसूख की धमक के आगे प्रशासन अब तक मूकदर्शक बना बैठा है। पीड़ित अब्दुल मतीन ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को सौंपे शिकायती पत्र में सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। खैरहा स्थित खसरा नंबर 641/2 और 642 (कुल रकबा 0.223 हेक्टेयर) पर आरोपी शहाबाल ने अपने गिरोह के साथ मिलकर तारबाड़ी कर ली है और बाउंड्रीवाल खड़ी कर दी है। हद तो तब हो गई जब विरोध करने पर आरोपी ने बुजुर्ग को सरेराह गाली-गलौज की और हथियारों की नोंक पर जान से मारने की धमकी दी। दबंग का

दुस्साहस देखिए, वह खुलेआम कहता है कि मेरी पहुंच ऊपर तक है, तेरी जमीन तो क्या, पूरी हस्ती मिटा दूंगा। आरोप है कि शहाबाल का आतंक यहीं नहीं रुकता। उसने खसरा नंबर 641/1 की जमीन, जो मुख्तारलाल साहू के नाम थी, उसे भी लाठी-डंडे के दम पर हड़प लिया और वहां अपना आशियाना तान दिया। अब उसकी गिद्ध दृष्टि अब्दुल मतीन की सीमांकित भूमि पर है। पीड़ित आंखों से कमजोर है और अपना पेट पालने के लिए रायपुर में दिहाड़ी मजदूरी करता है। दबंग की दहशत का आलम यह है कि वह अपने ही घर आने से कतरा रहा है। पीड़ित ने कई बार आवेदन दिए, जनसुनवाई के चक्कर काटे, लेकिन नतीजा सिफर रहा। सवाल यह उठता है कि क्या शहडोल प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? एक गरीब की आंखों की रोशनी कम है, आय का स्रोत नहीं है, फिर भी वह न्याय के लिए लड़ रहा है। क्या जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली सरकार इस भू-माफिया पर बुलडोजर चलाएगी या फिर गरीब की जमीन रसूख की भेंट चढ़ जाएगी। खैरहा की जनता अब इस मामले में ठोस कार्रवाई चाहती है। यदि तत्काल अवैध निर्माण ढहाकर कब्जा वापस नहीं दिलाया गया, तो यह प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गहरा धब्बा होगा।

अक्षत सोनी के हत्यारे को मरते दम तक जेल

शहडोल। करीब छह साल पहले शहडोल की रूह कपा देने वाले अक्षत सोनी हत्याकांड में आखिरकार न्याय की जीत हुई है। सराफा व्यापारी एवं पूर्व पार्षद के 15 वर्षीय मासूम बेटे की नृशंस हत्या करने वाले दरिंदे धनराज समुद्रे उर्फ अप्पू को माननीय विशेष न्यायालय ने उसके पापों की अंतिम सजा सुना दी है। अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास (मरते दम तक जेल) और विभिन्न धाराओं में कठोर दंड से दंडित किया है। इस फैसले के बाद शहर ने राहत की सांस ली है, हालांकि उस मासूम की कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी जिसे चंद गहनों और मोबाइल के लालच में मौत के घाट उतार दिया गया था।

घटना 30 दिसंबर 2019 की है, जिसने पूरे शहडोल को स्तब्ध कर दिया था। जामा मस्जिद रोड निवासी अजय सोनी का इकलौता बेटा अक्षत सोनी उम्र 15 वर्ष घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। जांच में जो सच सामने आया, उसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर दिया। आरोपी अप्पू उर्फ धनराज ने फाइटर पंच देने के बहाने अक्षत को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाया और उसे मुडऩा नदी कल्याणपुर के पास एकांत में ले गया। वहां सोने की चैन, कान की बाली और मोबाइल लूटने की नीयत से उस मासूम पर धारदार बटन वाले चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए और गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई। साक्ष्य छिपाने के लिए दरिंदों ने अक्षत के शव को नदी के पानी में फेंक दिया था। पुलिस की सक्रियता और तत्कालीन निरीक्षक रावेन्द्र द्विवेदी की सटीक विवेचना ने आरोपियों के बच निकलने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। सीसीटीवी फुटेज में अक्षत को आखिरी बार आरोपी के साथ मोटरसाइकिल पर जाते देखा गया था। गिरफ्तारी के बाद जब आरोपी धनराज ने अपना जुर्म कबूला और उसकी निशानदेही पर नदी से अक्षत का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ, तो पूरे जिले में आक्रोश फूट पड़ा था।

माननीय विशेष न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष के तर्कों और 21 गवाहों के बयानों को सुनने के बाद आरोपी धनराज समुद्रे को दोषी करार देते हुए सजा मुकर्रर की। धारा 302 (हत्या) आजीवन कारावास एवं 5000 अर्थदंड, धारा 364 (अपहरण) 05 वर्ष सश्रम कारावास, धारा 397 (लूट के साथ हत्या का प्रयास) 07 वर्ष सश्रम कारावास, धारा 201 व आम्र्स एक्ट 03-03 वर्ष का कठोर कारावास सुनाई है।

अभियोजन की ओर से उपनिदेशक एस.एल. कोष्टा ने मजबूत पैरवी की। यह फैसला समाज के उन तत्वों के लिए एक कड़ा संदेश है जो चंद रुपयों के लिए मासूमों का खून बहाने से नहीं कतराते। अक्षत के परिवार के लिए यह न्याय की लंबी लड़ाई का अंत है। शहर के बुद्धिजीवियों का कहना है कि ऐसे जघन्य मामलों में इस तरह की त्वरित और सख्त सजा से ही कानून का खौफ कायम रहेगा।

75 साल के बूढ़े को 20 साल की कठोर सजा!

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर के बहुचर्चित नाबालिग दुष्कर्म मामले में विशेष न्यायालय (पॉक्सो) के न्यायाधीश शिव लाल केवट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी ददन उर्फ ददन राम तिवारी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट के इस फैसले ने साफ कर दिया है कि अपराध चाहे सफेदपोश करे या उम्रदराज, कानून का हंटर हर पापी पर बराबर चलता है। घटना 5 मई 2023 की है, जिसने जयसिंहनगर को झकझोर कर रख दिया था। 13 साल की मासूम बच्ची अपने गांव के बगीचे में आम तोडऩे गई थी। घर लौटते समय रास्ते में पंडित ददन राम तिवारी ने उसे मिठाई खिलाने के बहाने अपने घर बुलाया। मासूम क्या जानती थी कि जिसे वह बाबा समझ रही है, वह भेडिय़ा है। आरोपी ने उसे घर के अंदर खींच लिया, दरवाजा बंद किया और जब बच्ची चिल्लाई तो उसे फरुआ (फावड़ा) से काटकर जान से मारने की धमकी दी और मासूम का मुंह दबाकर उसके साथ दरिंदगी की। गनीमत रही कि पीड़िता के भाई ने वक्त पर दरवाजा खटखटाया, जिससे उसकी जान बच सकी।

इस केस में पुलिस और अभियोजन की मुस्तैदी काबिले तारीफ रही। विशेष लोक अभियोजक नवीन कुमार वर्मा ने कोर्ट में पुख्ता दलीलें पेश कीं। आरोपी भले ही 75 साल का था, लेकिन डॉक्टर ने मेडिकल परीक्षण में उसे अपराध करने में पूरी तरह सक्षम पाया। सबसे बड़ी कड़ी डीएनए रिपोर्ट रही, जिसने वैज्ञानिक रूप से ददन राम के गुनाह पर मुहर लगा दी। पुलिस ने महज 45 दिनों में चालान पेश कर अपराधियों के मन में खौफ पैदा करने का काम किया।

अदालत ने गवाहों के बयानों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ददन राम को दोषी करार देते हुए जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है। यह फैसला उन लोगों के लिए एक कड़ा सबक है जो धर्म और उम्र की आड़ में अपनी गंदी मानसिकता को छिपाए बैठे हैं। जयसिंहनगर की जनता ने इस फैसले का स्वागत किया है। 20 साल का कठोर कारावास यानी आरोपी की बाकी जिंदगी अब जेल की काल कोठरी में ही कटेगी। मासूम की चीखों का हिसाब अब जेल की सलाखें करेंगी।

व्हाट्सएप ग्रुप में अभद्र पोस्ट से मचा बवाल

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। वार्ड क्रमांक 07 निवासी दुर्गेश पांडेय उर्फ भोला पिता संतोष पांडेय, उम्र 29 वर्ष द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप अहंकारी वर्चस्व में की गई अभद्र पोस्ट के स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद पूरे जिले में चर्चा तेज हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक ने ग्रुप में कई आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किए, जिनमें सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों और संगठनों के प्रति असम्मानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। हालांकि बाद में इन संदेशों को ग्रुप से डिलीट कर दिया गया, लेकिन तब तक उनके स्क्रीनशॉट कई लोगों के मोबाइल में पहुंच चुके थे और तेजी से वायरल हो गए।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 22 मार्च को स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की। पुलिस ने दुर्गेश पांडेय को धारा 151 के तहत गिरफ्तार कर तहसील में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजते हुए ब्यौहारी स्थित मऊ जेल में निरुद्ध किया गया।पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के बावजूद सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि इतने गंभीर मामले में किसी भी जनप्रतिनिधि, उनके प्रतिनिधि या संबंधित संगठन के पदाधिकारियों द्वारा कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई।

दिलों की दूरियां मिटें तो ही बचेगी मोहब्बतः जिला न्यायाधीश ई से ईश्वर, ईद और इंसानियतः शालिनी सरावगी के विचारों ने जीता दिल

तहज़ीब और संस्कार ही समाज की असली पहचानः सरावगी

ईद मिलन में गूंजा अमन और भाईचारे का संदेश

इंसानियत और एकता की मिसाल बना मोहम्मदी वेलफेयर सोसायटी का आयोजन

धनपुरी। ईद-उल-फितर के मुबारक और रूहानी मौके पर धनपुरी की सरज़मीं एक बार फिर मोहब्बत, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब की ख़ुशबू से महक उठी। मोहम्मदी वेलफेयर सोसायटी द्वारा वेलकम पैलेस में आयोजित ईद मिलन समारोह महज़ एक त्यौहार का आयोजन नहीं था, बल्कि यह इंसानियत, अमन, इत्तेहाद और सामाजिक सौहार्द का ऐसा पैग़ाम था, जिसने हर दिल को छू लिया और समाज के सामने एक बेहतरीन मिसाल पेश की।

इस दिलनशीं महफ़िल में हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई—हर मज़हब और हर तबके के लोगों की शानदार और सराहनीय मौजूदगी देखने को मिली। विविधता में एकता की भारतीय परंपरा यहां सिर्फ़ शब्दों तक सीमित नहीं रही, बल्कि हर शख़्स के चेहरे की मुस्कान और दिलों की गर्मजोशी में साफ़ झलकती रही। कार्यक्रम का आगाज़ बेहद पुरख़ुलूस और खुशनुमा माहौल में हुआ, जहां भाई कलाम ने अपने शायराना अंदाज़ से महफ़िल को सजाया और मोहब्बत के रंग बिखेर दिए।

इस मौके पर ज़िला न्यायाधीश मोहम्मद हिदायत उल्ला ख़ान बतौर ख़ास मेहमान मौजूद रहे। उनके साथ शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मंचासीन रहे। धनपुरी-बुढ़ार सहित आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा और दिलों के फासले मिटाकर भाईचारे का पैग़ाम दिया। हर तरफ अपनापन, सादगी और मोहब्बत का नज़ारा देखने को मिला। मोहम्मदी वेलफेयर सोसायटी के सरपरस्त शाह आलम ख़ान, सदर मोहम्मद आज़ाद अली, सेक्रेटरी मोहम्मद अली (पप्पू), कैशियर मोहम्मद फैज़ तथा अन्य पदाधिकारियों और सहयोगियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वक्ताओं ने अपने खिताब में कहा कि त्यौहार महज़ रस्म-अदायगी नहीं होते, बल्कि यह दिलों को जोडऩे, रिश्तों को मजबूत करने और समाज में मोहब्बत की रौशनी फैलाने का जरिया होते हैं। उन्होंने समाज में फैल रही नफ़रत, भेदभाव और तफ़रक़े को खत्म कर आपसी भाईचारे, सहिष्णुता और इंसानियत को अपनाने की अपील की। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अपने उद्बोधन में आधुनिक दौर की बदलती तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही आज का युग डिजिटल हो गया हो, लेकिन ईद का असली मायने आज भी कायम हैं—ई से ईश्वर, ई से ईद और ई से इंसानियत। उनके इस विचार ने महफ़िल में मौजूद हर शख़्स के दिल को छू लिया और तालियों की गूंज से पूरा वातावरण गूंज उठा।

पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी (खुद्दी भैया) ने अपने अनुभवी और भावुक शब्दों में नई पीढ़ी को नसीहत देते हुए कहा कि बदलते समय के साथ हमारी तहज़ीब और संस्कार कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। उन्होंने अफ़सोस जताया कि आज के बच्चे बड़ों का सम्मान करना भूलते जा रहे हैं, जो समाज के लिए चिंताजनक है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को संस्कार, अदब और तहज़ीब की तालीम दें, ताकि समाज में आपसी इज़्ज़त और मोहब्बत कायम रह सके।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां कहीं भी गंगा-जमुनी तहज़ीब और सांस्कृतिक एकता की बात हो, वहां हम सबको कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए। उन्होंने भावुकता के साथ यह वादा भी किया कि यदि ईश्वर ने चाहा, तो आने वाले समय में दीपावली मिलन समारोह भी इसी तरह सामूहिक रूप से आयोजित किया जाएगा।

ज़िला न्यायाधीश हिदायत उल्ला ख़ान ने अपने विचारों में मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैग़ाम देते हुए कहा कि यदि दिलों में दूरियां बढ़ती रहीं, तो रिश्तों की गर्माहट समाप्त हो जाएगी। उन्होंने लोक अदालत का उल्लेख करते हुए बताया कि यह एक ऐसा सशक्त मंच है, जहां लोग आपसी रज़ामंदी और समझदारी से अपने विवाद सुलझाते हैं, जिससे समाज में भाईचारा और विश्वास बढ़ता है। अपने ख़ास अंदाज़ में उन्होंने एक मार्मिक शायरी पेश कर महफ़िल को रूहानी एहसास से भर दिया।

प्रेम से चाहतों के दिए अब घरोंमें जलाएगा कौन?
यूँ ही लड़ते अगर हम रहे, तो मोहब्बत निभाएगा कौन...
होली रंगों का त्योहार है, ईद दरिया है रहमत भरा,
दिल अगर दूर होते रहे, तो गले से लगाएगा कौन

इन पंक्तियों ने वहां मौजूद हर शख़्स के दिल को छू लिया और पूरा माहौल तालियों और जज़्बातों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, बलमीत सिंह खनूजा, हनुमान खंडेलवाल, सुजीत सिंह चंदेल, राजेश चमडिया, मुबारक मास्टर, रोहणी गर्ग, राजू सेठिया, मनोज जैन, पुष्पेंद्र ताम्रकार, पियूष शुक्ला, अरविंद जैन, बबलू सिंह, नसीर राजा, प्रकाश कृष्णानी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि भारत की असली ताकत उसकी एकता, विविधता और गंगा-जमुनी तहज़ीब में निहित है, और इसे बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह आयोजन इस बात का जीता-जागता सबूत बन गया कि जब दिल जुड़ते हैं, तो नफ़रत की हर दीवार अपने आप गिर जाती है और समाज में मोहब्बत, अमन और इंसानियत की रौशनी फैल जाती है।

खबर संक्षेप

भगत सिंह चौक पर दी गई शहीदों को श्रद्धांजलि

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत भगत सिंह चौक पर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर क्रांतिकारी के बलिदान दिवस के अवसर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके त्याग व बलिदान को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान की बदौलत ही आज भारत देश स्वतंत्र है। युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देशहित में कार्य करने और समाज में भाईचारा, एकता और न्याय की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे (पुल्लू), किसान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राम नारायण सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, ब्लॉक सेवा दल जिला अध्यक्ष मनोहर जायसवाल, यूथ कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष राहुल जायसवाल, हर्षीतेश्वर मणि तिवारी, सद्दाम अंसारी, आलोक सिंह, उप सरपंच सोमनाथ केवट, विपिन दुबे, संदीप पनिका, क्रांति मानिकपुरी, रविन्द्र मौर्य, बाबा, अजय चतुर्वेदी, विवेक सिंह, मकसूद आलम, कृष्णा तिवारी, दिलीप दहिया, राकेश कोल, पार्षद पवन सिंह, अभिषेक चौहान, दिलीप केवट, अरविंद, बंटी केवट एवं आमीन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के और नगर के नागरिक मौजूद रहे।

वाहन से मारी टक्कर, शहडोल में कानून को ठेंगे पर रख रहे रसूखदार!

बिजली विभाग की टीम पर जानलेवा हमला

शहडोल। जिले में अपराधी बेखौफ हैं और सरकारी मुलाजिमों की जान जोखिम में है, अमलाई थाना क्षेत्र के ग्राम गिरवा में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब बकाया बिजली बिल वसूली करने गई विद्युत विभाग की टीम पर दबंगों ने न केवल हमला किया, बल्कि उन्हें गाड़ी से कुचलने की कोशिश भी की। यह महज एक विवाद नहीं, बल्कि खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाने और शासकीय कार्य में खूनी बाधा डालने का दुस्साहस है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य आरोपी पवन यादव और उसके साथी नितिन रजक के खिलाफ बीएनएस की संगीन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

वसूली करने गए थे कर्मचारी

23 मार्च की दोपहर करीब 12:30 बजे कनिष्ठ अभियंता (जेई) विकाश गोंडुड़े अपनी टीम के साथ शासन के निर्देशानुसार ग्राम गिरवा में राजस्व वसूली के लिए पसीना बहा रहे थे। टीम शांतिपूर्ण ढंग से अपना काम कर रही थी कि तभी अचानक दबंगई का खुला-खेल शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और विभागीय सूत्रों के अनुसार, बुढ़ार निवासी पवन यादव अपनी गाड़ी को हथियार बनाकर मौके पर पहुंचा। उसने आव देखा न ताव, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए विभाग के अनुबंधित वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि कर्मचारी वाहन के अंदर नहीं थे, वरना मौके पर बड़ी अनहोनी हो सकती थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी

जब जेई और उनके साथ मौजूद कर्मचारियों ने आरोपी पवन यादव को रोकने की कोशिश की, तो उसका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आरोप है कि उसने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघते हुए कर्मचारियों को गालियां दीं और कहा कि अगर दोबारा यहां दिखे तो जान से मार दूंगा। धमकी देने के बाद आरोपी वाहन लेकर भागने लगा, लेकिन बिजली विभाग की टीम ने भी हार नहीं मानी। किसी फिल्मी सीन की तरह दूसरी टीमों को वायरलेस पर सूचना दी गई और आरोपी का पीछा किया गया। आखिरकार, ग्राम बलबहरा के पास ग्रामीणों की मदद से उसे घेराबंदी कर रोका गया।

बलबहरा में फिर भड़की हिंसा

बलबहरा में जब आरोपी को रोका गया, तो वहां स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। वहां पवन यादव का साथी नितिन रजक भी कूद पड़ा। उसने आव देखा न ताव, हाथ में लाठी लहराते हुए कर्मचारियों को पीटने की कोशिश की। दोनों आरोपियों ने मिलकर न केवल सरकारी काम रोका, बल्कि सरेराह कर्मचारियों को अपमानित भी किया। काफी देर तक वहां हाई-वोल्टेज ड्रामा चलता रहा, जिससे स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई।

बीएनएस की धाराओं में नपे दबंग

घटना के तुरंत बाद कनिष्ठ अभियंता विकाश गोंडुड़े ने अमलाई थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए एफआईआर क्रमांक 0084/2026 दर्ज की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की निम्नलिखित धारा धारा 281, 132, 351(3), 324(4) के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया। मामले की कमान सहायक उप निरीक्षक महेंद्र कुमार शुक्ला को सौंपी गई है। पुलिस अब घटनास्थल के निरीक्षण और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी की तैयारी में है।

कब तक पिटते रहेंगे सरकारी कर्मचारी

जिले में सरकारी कर्मचारियों पर हमले की यह कोई पहली घटना नहीं है, लेकिन जिस तरह से गिरवा में गाड़ी से टक्कर मारकर हत्या का प्रयास किया गया, वह प्रशासन के गाल पर करारा तमाचा है। बिजली विभाग वैसे ही घाटे और बकाया वसूली के दबाव में काम कर रहा है, ऊपर से अगर उन्हें फील्ड पर सुरक्षा नहीं मिलेगी, तो वे काम कैसे करेंगे। फिलहाल, अमलाई पुलिस की कार्रवाई जारी है और पूरे जिले की नजरें इस मामले पर टिकी हैं। प्रशासन को चाहिए कि वह ऐसे तत्वों के खिलाफ बुलडोजर जैसी सख्त कार्रवाई पर विचार करे ताकि सरकारी काम में बाधा डालने वालों की रूह कांप जाए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 53 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए 53 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर आवेदन प्रेषित किया। जनसुनवाई में गणेश प्रसाद मानपुर ने अतिक्रमण हटाने, कृपाशंकर व्दिवेदी ने पिता की मृत्यु पश्चात अनुकंपा नियुक्ति दिलाने,मुंशी सिंह ग्राम करही ने कपिलधारा कूप का कार्य पूर्ण कराने,गोरे लाल पडवार ने नक्सा तरमीम कराने, प्रेम सिंह कैंप ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, कुंठी बाई महरोई ने खादानी सेजरा बनवाने, सावित्री बाई ग्राम गौरैया ने विधवा पेंशन दिलाने, जमुना सिंह, जिया लाल बैगा, मंगल सिंह, रघुनाथ सिंह, रामबली ग्राम मनेरी ने हायर सेकेण्डरी विद्यालय खुलवाने, गीता वंशकार पाली ने पुत्री के विवाह हेतु सहायता राशि दिलाने,प्रेम लाल,धनीराम बैगा,बाल किशन,प्रीतम लाल, बालकरण कोहका 47 ने सडक निर्माण कार्य में मुरूमीकरण का भुगतान कराने,आर्मी एक्स सूबेदार अर्जुन सिंह ने ग्राम गडरिया टोला ने रास्ता दिलाने का आवेदन किया । जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

एचपीवी टीकाकरण के तहत 1629 किशोरियों का हुआ टीकाकरण

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए घर-घर जाकर टीम बनाकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है एवं आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रेरित कर 14 वर्ष से 15 वर्ष की किशोरियों को टीकाकरण करने में सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 28 फरवरी से अब तक कुल 1629 किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है । जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.ऋचा गुप्ता के द्वारा जनमानस से यह अपील की गई है कि एचपीवी टीकाकरण से संबंधित सोशल मीडिया पर चल रहे किसी भी प्रकार के भ्रम की स्थिति में निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता जानकारी प्राप्त कर शंकाओं का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए लगवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह टीका पूर्णतः निःशुल्क जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है उम्र की मापदंड हेतु दस्तावेज आवश्यक रूप से लेकर जाएं।

शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शहीद दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु पीएमश्री रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय कि प्राचार्य डॉ. विमला मरावी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम कि अध्यक्षता मेरा युवा भारत उमरिया के जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह ने की।समस्त शिक्षक गण और अधिकारियों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने शहीदों के त्याग,बलिदान एवं राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देशभक्ति, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर शासकीय रणविजय प्रताप महाविद्यालय में देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम, गीत प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने देश की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए संकल्प लिया। तथा कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित डॉ अरविंद बरकरे, डॉ ऋषि झरिया, राजीव सिंह, जीतेन्द्र सिंह, रश्मि सिंह आदि शिक्षक गण उपस्थित रहे। एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता निभाई।

माता की भक्ति में डूबा नजर आ रहा पूरा क्षेत्र

नगर की गलियों में माता के जस गीत के साथ ही माता के जयकारे की गूंज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। चैत्र नवरात्रि पर्व पर पूरा क्षेत्र माता की भक्ति में डूबा नजर आ रहा है। सुबह से लेकर देर रात तक नगर की गलियों में माता के जस गीत के साथ ही माता के जयकारे गूंज रहे हैं। मंगलवार को चैत्र नवरात्रि के छठे दिन कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम स्थित कामेश्वरी देवी पंचायती मंदिर, शारदा काली मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, बूढी माता, बुढानपुर गांव में विराजमान अन्नपूर्णा माता मंदिर, धर्मशाला मंदिर, पुरानी बस्ती में दुर्गा मडिया, मंदिरों में नवरात्रों के दौरान सुबह-शाम माता की विशेष पूजा और आरती की जाता है। हर दिन अलग-अलग तरीके से माता का श्रृंगार किया जाता है। मंगलवार को छठवें दिन माता के कात्यायनी रूप में पूजा की गई। नवरात्रि के अवसर पर नगर के ठाकुर बाबा धाम, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, बूढी माता मंदिर मे मन्नत पूरी होने पर लोग अपने बच्चों को लेकर मंदिर परिसर में मुंडन एवं कनछेदन भी करा रहे हैं।

नगर के मंदिरों में नवरात्रि के प्रथम दिन से ही माता के मंदिरों मे आस्था की अखंड ज्योति जल रहे हैं। मंदिर परिसर में ही कलश स्थापना के साथ ही जवारे भी बोए गए हैं। नगर के ठाकुर बाबा धाम, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, बूढी माता मंदिर, पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बुढानपुर गांव में अन्नपूर्णा माता मंदिर, वार्ड क्रमांक 5 पुरानी बस्ती में दुर्गा मडिया परिसर में प्रतिदिन कन्या भोज का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में कन्याओं को बैठाकर पांव पूजन के साथ ही कन्या भोज खिलाते हुए उन्हें उपहार भी दिया जा रहा है। नगर के मंदिरों में सुबह 4:00 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो जाती है। भोर में ही महिलाएं मंदिरों के लिए नंगे पांव हाथ मे पूजा की थाल लिए पहुंचकर माता को जल चढ़ाते हुए विधि विधान से पूजन अर्चन कर रही है। मंदिरों में जल चढ़ाने के लिए महिलाओं की लंबी कतार लग जाती है। नगर के समीप गोहंड्रा स्थित काली मंदिर में प्रतिदिन भक्तों के द्वारा भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण 15 मार्च से नल जल योजना ठप्प

पानी के लिए ग्रामीण हो रहे परेशान, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी की गई शिकायत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरौध मे नल जल योजना के तहत ग्राम पंचायत के द्वारा ग्रामीणों को पीने के पानी की व्यवस्था की गई है लेकिन वर्तमान में जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण 15 मार्च से नल जल योजना ठप्प पड़ी है। लेकिन वर्तमान मे गर्मी के मौसम होने के कारण लोगों को लगभग 10 दिनों से नल जल के माध्यम से पानी सप्लाई नही मिल पाने के कारण पानी के लिए ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल पाने के कारण ग्रामीण या तो हैंडपंप या बांध तथा तालाब से पानी लाकर उपयोग कर रहे हैं। जबकि ग्रामीणों के द्वारा इस संबंध में कई बार सरपंच सचिव के साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत भी की गई लेकिन आज तक उसका समाधान नहीं किया गया इसके कारण ग्रामीण बड़ी मसक्कत से पानी लाने को मजबूर है। ग्रामीणों ने बताया कि नलजल योजना के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को विभाग के द्वारा सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि बिजली बिल जमा न होने के कारण बिजली सप्लाई बाधित हो गई है।

जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरौध अन्तर्गत खमरौध गांव की जनसंख्या लगभग एक हजार के करीब है। जिसमें 9 वार्ड आते हैं। शासन के द्वारा तीन साल के लगभग गांव में नलजल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण 25000 लीटर की क्षमता के साथ ही पाइपलाइन का विस्तार करवाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुल 10 हैंड पंप है जिसमें मात्र पांच चालू हालत में है उसमें से भी घंटो मशक्कत करने के बाद मुश्किल से एक से दो डिब्बा पानी ही निकल पाता है। साथ दो हैंडपंप को विभाग के द्वारा बंद होना बताकर निकाल लिया गया है। दो हैड पंप स्कूल के अंदर है तथा एक हैंडपंप पूर्व सरपंच के घर के अंदर हैं। जिसके कारण लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड रहा है। कई बार बिगड़ें हैंडपंप के मरम्मत कार्य करवाये जाने के साथ ही सीएम हेल्पलाइन में ग्रामीणों के द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई लेकिन विभाग के द्वारा खाना पूर्ति कर के अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया जाता है।

ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को कोई परवाह नही है वे अपनी जिम्मेदारी से ग्रामीणों की शिकायत से पल्ला झाड़ते यह कह रहे हैं कि बिजली बिल जमा न होने के कारण बिजली विभाग के द्वारा कनेक्शन काट दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि नल जल योजना के माध्यम से पानी सप्लाई ग्राम पंचायत के द्वारा की जा रही थी लेकिन 10 दिनों से बिजली कनेक्शन कटा होना बताकर पानी सप्लाई बाधित कर दिया गया है। मजबूरी में इस भीषण गर्मी में हम लोगों को 1 से 2 किलोमीटर दूर तालाब या बांध से पानी लाना पड़ता है या तो साइकिल में या कमरी में नहीं तो फिर सिर पर डिब्बा रखकर पानी लाते हैं। एक ओर ग्रामीणों का कहना है कि 10 दिनों से पानी सप्लाई बाधित है वहीं दूसरी ओर सचिव के द्वारा दो दिनों से पानी सप्लाई नही किया जाना बताया जा रहा है। वही मंगलवार को जनपद पंचायत मे बिजली विभाग के साथ समाधान निकालने के संबंध मे मीटिंग की जा रही थी।

इनका कहना है

5 लाख 66 हजार का बिजली बिल आया है बिल जमा न होने के कारण बिजली विभाग के द्वारा बिजली काट दिया गया है जिसके कारण नल जल के माध्यम से पानी सप्लाई बाधित हो गई है।

श्रीमती रानी पनिका, सचिव
ग्राम पंचायत खमरौध

इनका कहना है

चार पांच दिनों से बिल जमा न होने के कारण नल जल योजना की बिजली काटी गई है। आज उसी के संबंध मे बैठक जनपद पंचायत मे चल रही हैं।

लालमणि प्रजापति, कनिष्ठ अभियंता
विद्युत वितरण केंद्र कोतमा

खबर संक्षेप

चार जुआरी पकड़ाये, नकदी सहित बाइक एवं मोबाइल जब्त

कटनी। एन.के.जे. पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम देवराखुर्द में दबिश देकर जुआ खेल रहे चार जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना मिली कि ग्राम देवराखुर्द स्थित सामुदायिक भवन के पीछे कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक करने के बाद प्रधान आरक्षक शैलेश दमोहिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देख जुआरियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने चारों तरफ से घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा। पकड़े गए जुआरियों में सुमेरा केवट 48 वर्ष निवासी मुडेहरा, थाना बडवारा। सतपाल दुबे 40 वर्ष निवासी जुहला थाना एन.के.जे.। आश्विनी दुबे 48 वर्ष निवासी जुहली थाना एन.के.जे.। बच्चू निषाद 62 वर्ष निवासी बड़ी खिरहनी थाना एन.के.जे. शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और नकदी 890 रूपए एवं 52 ताश के पत्ते जब्त किये। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल क्रमांक MP 21 ML 0180, तीन स्मार्टफोन भी जब्त किए हैं।

युवक के पास से सुअर मार बम किया जब्त

कटनी। सुअर मार बम लेकर घूम रहे एक बदमाश को रंगनाथ नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अरुण पाल सिंह ने बताया कि गत 21 मार्च को जब रंगनाथ नगर थाने की पुलिस क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी इसी दौरान सूचना मिली की एक बदमाश नया गांव लखेरा पाण्डेय का बगीचा के पास एक देशी सुअर मार बम लिये अपराध करने के इरादे से घूम रहा है। रंगनाथनगर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुच कर बदमाश को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पकड़े गए प्रकाश उर्फ पिक्कू पाण्डेय के पास मिली पन्नी में देशी सुअर मार बम पाया गया। पकड़े गए आरोपी के विरूध्द 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत पंजीबध्द किया गया। उप.निरी. अरूणपाल सिंह थाना प्रभारी रंगनाथनगर, सउनि बहादुर सिंह, प्र.आर. अजय तिवारी, प्र.आर. प्रमोद पाठक, प्र.आर. पवन पाठक, प्र.आर. महेन्द्र दुबे, प्र.आर. रामनरेश शुक्ला, आर. रोशन यादव, बृजेश यादव, म.आर. रूचिका अग्रहरि, एनआरएस योगेश की भूमिका रही।

अलग अलग स्थाना से जब्त की गई शराब

कटनी। विजयराघवगढ़ एवं बरही पुलिस ने अलग अलग स्थाना से अवैध शराब जब्त की है। जानकारी के अनुसार विजयराघवगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम देवसरी इंदौर में एक व्यक्ति अपनी बाड़ी में अवैध रूप से शराब का भंडारण कर उसे खपाने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना के आधार पर गंगाराम पटेल 48 वर्ष की बाड़ी में दबिश दी। तलाशी के दौरान वहां से 14 पाव देशी प्लेन शराब और 06 पाव लाल मसाला शराब बरामद हुई जिसकी अनुमानित कीमत 2,000 बताई जा रही है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(ए) आबकारी एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। इसी तरह बरही पुलिस ने हर्ई टोला बरन महगवां क्षेत्र में दौलत सिंह गोंड 33 वर्ष को उसके घर के पास संदिग्ध अवस्था में घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखी गई 16 पाव देशी प्लेन शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

गायत्री शक्तिपीठ और देवी मंदिर लोढ़ा धार माता मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

ब्योहारी। ब्योहारी में नवरात्रि पर्व पर छठमी दिन दर्शन को पहले कर जल चढ़ाएं जाने और विश्व कल्याण के लिए हवन करने कि उमड़ी भीड़ देखी जा सकती है। ब्योहारी में देवी मंदिर (मढुलिन) लोढ़ा धार माता जी व गायत्री शक्तिपीठ आज चैत्र नवरात्रि पर्व पर छठमी दिन मां कात्यायनी देवी के दिन को दर्शन को जल चढ़ाएं जाने विश्व कल्याण के लिए भक्तों कि उमड़ी भीड़* बाताया जाता है ब्योहारी में शारदेय नवरात्रि व चैत्र नवरात्रि पावन पर्व देवी मंदिर (मढुलिन) लोढ़ा धार माता व शक्तिपीठ गायत्री मंदिर में 10 - 12 दूर गांव भक्तों आते हैं साथ ब्योहारी क्षेत्र से आस पास जनों भीड़ दर्शन करने लिए पैदल व अपने अपने वाहन आते हैं यहां माना जाता है देवी मंदिर मढुलिन लोढ़ा धार माता जी के यहां लोगों कि मन्नत पूरी होने पर कथा सुनना मानस करना व भन्डारे करना मुन्डन अपने बच्चों करना, आदि धार्मिक कार्यक्रम होते इसी तरह गायत्री शक्तिपीठ ब्योहारी नवरात्रि पावन पर्व गायत्री मंत्र पुष्पवन संस्कार, विधासंकार, अन्नप्राशन संस्कार आदि संस्कार लोगों के द्वारा कराया जाता है इसी तरह चैत्र नवरात्रि पावन पर्व देवी माता जी के दर्शन करने व जल चढ़ाएं जाने वाले भक्तों भीड़ उमड़ी हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र में 'विद्यारंभ संस्कार' के साथ गूंजी नन्हे बच्चों की किलकारियां

बुढार। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उनकी प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखने के उद्देश्य से मंगलवार को बाल विकास परियोजना बुढार के वार्ड नंबर 15 में 'विद्यारंभ सेरेमनी' (विद्यारंभ संस्कार) का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परियोजना अधिकारी आनंद अग्रवाल के कुशल निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें पर्यवेक्षक सेक्टर बुढार शहरी की सक्रिय सहभागिता रही।

फूल-मालाओं से हुआ नौनिहालों का स्वागत

कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड के 5 से 6 वर्ष की आयु के 28 बालक-बालिकाओं और उनके माता-पिता के स्वागत से हुई। केंद्र पर पहुंचे नन्हे बच्चों को चंदन लगाकर और फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

खेल-खेल में शिक्षा और स्वास्थ्य पर चर्चा

परियोजना के सदस्यों ने उपस्थित अभिभावकों से चर्चा करते हुए आंगनबाड़ी केंद्र में दी जाने वाली औपचारिक शिक्षा के महत्व को समझाया। बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास, नियमित वजन, टीकाकरण और साफ-सफाई को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से अवगत कराया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम के दौरान नन्हे बच्चों ने नृत्य और संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिसे देख अतिथि और अभिभावक भावविभोर हो गए। समारोह के अंत में सेवानिवृत्त शिक्षकों और वरिष्ठ अतिथियों द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।अभिभावकों के साथ बच्चों का सामूहिक छायाचित्र (फोटो) लिया गया।सभी उपस्थित जनों को फल एवं स्वल्पाहार का वितरण किया गया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस सफल आयोजन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रीति गुप्ता, शशि शर्मा,बी. लक्ष्मी राव एवं सहायिका कमला, सरस्वती और पूजा का विशेष योगदान रहा। कार्यकर्ताओं ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी आंगनबाड़ी के कार्यक्रमों में इसी तरह सहयोग और उपस्थिति बनाए रखने की अपील की।

23 मार्च शहीद दिवस पर युवाओं ने शहीदों को किया नमन

उमरिया . शहीद दिवस के अवसर पर युवा टीम उमरिया द्वारा अम्बेडकर चौक पाली में मां भारती की परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर देने वाले अमर सपूत वीर भगत सिंह जी, राजगुरु जी व सुखदेव जी के बलिदान दिवस पर चित्र पटल पर पाली थाना प्रभारी राजेंद्र चंद्र मिश्रा की उपस्थिति में माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया गया।आज का दिन देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। हमारे देश के वीर सपूतों ने अपना जीवन देश के लिए न्यौछावर कर देश में आजादी की अलख पैदा की। पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने उपस्थित लोगों को बताया कि देश की आजादी के लिए कुर्बान हुए अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरू सुखदेव की कुर्बानियों से युवा प्रेरणा लें। शहीदों की अमूल्य शहादत ने राष्ट्रभक्ति की एक अनूठी गाथा लिखी। ऐसे वीर देशभक्तों के दिखाए मार्ग पर चलना ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।भगत सिंह, राजगुरू सुखदेव ने हमारी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए 23 मार्च, 1931 को फांसी के फंदे को गले लगाया था। कम उम्र में उनकी शहादत पूरी दुनिया के क्रांतिकारियों के लिए मिसाल बन गई और भारतीय इतिहास में उनका नाम सदा अमर हो गया। टीम संयोजन हिमांशु तिवारी ने कहा कि उन महान शहीदों को नमन करने के साथ ही सभी जिलावासियों विशेषकर युवा पीढ़ी को उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए। इस दौरान पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक अजय सिंह परिहार, हिमांशु तिवारी, राहुल सिंह ,सौरभ पांडे, अंकित सिंह विकास सिंह एवं सभी उपस्थित रहे।

जैतहरी में अमर शहीद दिवस पर भावपूर्ण कार्यक्रम, रैली निकालकर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज, जैतहरी। अमर शहीद दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य डॉ. दीपक उरमलिया रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं स्टेट रेफरी वॉलीबॉल दिनेश कुमार सिंह चंदेल, वरिष्ठ व्याख्याता प्रेम प्रकाश मिश्रा एवं रामगोपाल राठौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने देश के अमर शहीदों के जीवन एवं बलिदान पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि डॉ. दीपक उरमलिया ने अपने संबोधन में कहा कि देश की स्वतंत्रता में शहीदों का अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने फांसी के फंदे को हंसते-हंसते स्वीकार किया, लेकिन देश की आजादी के लिए पीछे नहीं हटे। विशिष्ट अतिथि प्रेम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि हमारे वीर जवानों के बलिदान के कारण ही अंग्रेजों को देश छोड़ना पड़ा। वहीं रामगोपाल राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि शहीदों ने बलिदान नहीं दिया होता तो आज भी देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा होता। उन्होंने भगत सिंह, राजगुरु जैसे महान क्रांतिकारियों के योगदान को याद किया। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय परिसर से रैली निकाली गई, जिसमें "इंकलाब जिंदाबाद" और "शहीद अमर रहें" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। मंच संचालन एवं नारेबाजी का कार्य दिनेश कुमार सिंह चंदेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन मेरा युवा भारत के जिला कार्यक्रम समन्वयक दिनेश विश्वकर्मा ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों आशीष पांडे, राज शुक्ला, सत्येंद्र राठौर, हिमांशु गुप्ता, अभिषेक पाठक, लक्ष्मण प्रसाद राठौर, ममता राठौर, राधा पाल, सोनू राठौर, नेहा राठौर, शतरूपा शुक्ला, रश्मि राठौर, प्रभा राठौर, रमेश जोगी, पार्वती सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

जागरूकता रैली व श्रमदान से जल का महत्व की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कूड़ा मर्दानगढ़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर सोमवार को जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्राचार्या इंदु पांडेय ने छात्राओं और स्टाफ को जल संचयन, संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलवाई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद की कीमत है। जल के महत्व को समझते हुए जल को अनावश्यक नहीं बहाएंगे और न किसी को बहाने देंगे। क्योंकि जल के बिना व्यक्ति का जीवन शून्य है। विश्व जल दिवस पर हम स्वयं जागरूक रहें और अपने आसपास के लोगों को भी जल का उपयोग आवश्यकतानुसार करने के लिए प्रेरित। साफ और स्वच्छ जल हम सबको तभी उपलब्ध होगा जब हम जल को स्वयं संरक्षित करें। इसलिए सबका दायित्व है कि जल बचाने के साथ-साथ उसके रखरखाव पर भी ध्यान दें।क्योंकि बढ़ती आबादी और बढ़ती पानी की मांग ने हम सबको सावधान, जागरूक रहने के लिए सचेत किया साथ ही जल संरक्षण को लेकर शपथ दिलाई गई। रैली निकाल दिया जल संरक्षण का संदेश_इसके बाद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कूड़ा का वसुंधरा यूथ एंड ईको क्लब के द्वारा जागरूकता रैली निकाल जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा मैं प्रेरित किया।रैली से संदेश दिया गया कि अभी सजग नही हुए तो आने वाली पीढ़ी शुद्ध पेयजल के तरस जायेगी।नदियों, कुआं,सरोवरों एवम अन्य प्राकृतिक जल संरचनाओं को संवारने के लिए केवल सरकार के भरोसे न रहकर स्वय जागरूक होना होगा।हमे गांव वाली संस्कृति मैं लौटना होगा,आज बटन से पानी आ रहा है,मेहनत से नही।इसलिए इसका महत्व नही पीढ़ी नही समझ रही है।पानी की बर्बादी भी बहुत हो रही है और उस अनुपात मैं संरक्षण नही हो पा रहा है।

नरवाई जलाने वाले किसानों पर लगेगा पर्यावरणीय मुआवजा

हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम/स्ट्रा रीपर न होने पर मशीन होगी जब्त

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार उप संचालक, कृषि संग्राम सिंह मरावी द्वारा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला उमरिया के कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।बैठक में बताया गया कि गेहूं एवं अन्य फसलों के अवशेषों को खेतों में ही गलत तरीके से जलाए जाने को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है तथा ऐसा करते हुए पाए जाने पर पर्यावरणीय मुआवजा अधिरोपित किया जाएगा।

यदि कोई व्यक्ति/ संस्था ऐसा करते हुए पाया जाता है तो उसे नेशनल ग्रीन टिब्यूनल के नियमानुसार जिसमें नरवाई जलने पर 2 एकड़ या उससे कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 2 एकड से अधिक लेकिन 05 एकड़ से कम भूमि धारक से 5000 रुपये प्रति घटना,5 एकड़ से अधिक भूमि धारक से 15000 रुपये प्रति घटना शामिल है ।

उन्होने बताया कि मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना तथा जिले में गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत अनेक अवशेष को जलाने से होने वाले

प्रदूषण एवं आगजनी की घटनाओं से आमजन के स्वास्थ्य एवं उनकी जानमाल की सुरक्षा तथा भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट न हो इस उद्देश्य से उक्त सभी को दृष्टिगत रखते हुए जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 (1) के अंतर्गत उमरिया जिले में गेहूं एवं अन्य फसलों को काटने के उपरांत अवशेष नरवाई को कोई भी कृषक अपने खेत पर नहीं जला सकेगा अर्थात फसल काटने के उपरांत अवशेषों को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है। हार्वेस्टर मशीन संचालकों को यह अनिवार्य होगा कि वे हार्वेस्टर मशीन के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन का उपयोग कर,फसल कटाई के बाद अवशेषों को स्थल पर ही भूसा बनाकर निपटान करेंगे। कम्बाइन हार्वेस्टर संचालक फसल कटाई प्रारंभ करने के पूर्व उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला उमरिया में अपना पंजीयन कराएंगे तथा फसल कटाई पंजी का संधारण उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देशानुसार करेंगे। स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन के उपयोग किये बिना यदि कोई कृषक फसल काटने हेतु दबाव बनाता है तो संबंधित कम्बाइन हार्वेस्टर संचालक इसकी सूचना तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत निगरानी समिति (पटवारी/कृषि विस्तार अधिकारी/ पंचायत सचिव/रोजगार सहायक/ग्राम कोटवार/ संबंधित थाना प्रभारी) को देना अनिवार्य होगा। हार्वेस्टर मशीन एंव स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन (भूसा बनाने के संयंत्र) से भूसा बनाने के दौरान निकलने वाली चिंगारी से आगजनी की घटना को रोकने हेतु मशीन संचालक अग्नि सुरक्षा संयंत्र के साथ-साथ आग बुझाने के लिए रेत एवं पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे।

उन्होने कहा कि खेतों के आसपास लगे ट्रांसफार्मर से कभी-कभी शॉर्ट सर्किट से भी आगजनी की घटनाएँ हो जाती है, जिस हेतु अधीक्षण यंत्री म.प्र. राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमि. यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसफार्मर से फसल नष्ट होने का खतरा तो नहीं है, खतरे की स्थिति में किसान की सहमति से ट्रांसफार्मर के आसपास 10वाय10 फीट क्षेत्र को खुला रखा जावे। ताकि शॉर्ट सर्किट से कोई भी फसल हानि न हो सके। यदि कोई व्यक्ति (नरवाई) संस्था जिले के अंतर्गत गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को जलाता है, तो उसे राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार आदेश के पैरा-1 में वर्णित नियमानुसार पर्यावरण मुआवजे के साथ आदेश के उल्लंघन के लिये-अर्थदण्ड के साथ भारतीय न्याय संहिता के तहत दण्डित किया जायेगा।

जल शक्ति नव शक्ति जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला और ब्लॉक समन्वयक पुष्पा टेकाम के कुशल मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था मां वैभव लक्ष्मी सेवा समिति सेक्टर क्रमांक 5 चौरी ने ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से मां शारदा मंदिर से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के दौरान जानकारी दी गई कि जल गंगा संवर्धन अभियान 31 जून तक चलाया जाएगा । जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारी जीवनदायनी नदियों, तालाबों,प्राचीन जलसंरचनाओं और जल स्त्रोतों का संरक्षण व पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है । कलश यात्रा के दौरान पानी रोको बनो महान,हम सबने यह ठाना है जल की एक एक बूंद को बचाना है, के नारों के माध्यम से जागरूक किया गया । कार्यक्रम के अंत में प्रस्फुटन समिति के सहयोग से चौत्र नवरात्रि पर निःशुल्क प्याऊ का भी शुभारंभ पंच राजकुमार सिंह द्वारा किया गया। यह निशुल्क प्याऊ राहगीरों कि प्यास बुझाने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से समरजीत सिंह,तेजराज सिंह,रामबाई सिंह, अनुसुइया बाई उप सरपंच बॉबी सिंह, मुकेश सिंह, अमित सोनी,वीरेंद्र सिंह, संजय सिंह ,लाल सिंह, राकेश सेन, दिनेश यादव, शिव कुमार सिंह, जयपाल सिंह, परामर्शदाता अर्चना मिश्रा,नवांकुर प्रतिनिधि पुष्पेंद्र सिंह और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर लाइन में मधुमक्खियों का हमला, मची अफरा-तफरी

मधुमक्खियों के हमले से हडक़ंप, कुछ लोगों को काटा, इलाज के बाद सभी सुरक्षित

नौरोजाबाद। गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े लोगों के बीच उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि पास में लगे मधुमक्खियों के छत्ते में हलचल होने के कारण मधुमक्खियां झुंड बनाकर उडऩे लगीं और वहां मौजूद लोगों पर टूट पड़ीं। अचानक हुए इस हमले से मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान भागते हुए कुछ गिने-चुने लोगों को मधुमक्खियों ने काट लिया। घटना के बाद जिन लोगों को मधुमक्खियों ने काटा था, उन्होंने नजदीकी अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार और दवाइयां देने के बाद सभी लोग सुरक्षित अपने घर लौट गए। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा, हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

खबर संक्षेप

विश्व क्षय दिवस पर 100 दिवसीय अभियान का अनूपपुर में हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अनूपपुर द्वारा आज विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. अलका तिवारी, जिला क्षय अधिकारी डॉ. एससी राय सहित जिला चिकित्सालय के स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा इसे जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना रहा। आयोजन के दौरान टीबी मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों और सहयोगियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की गई और समय पर जांच एवं उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। बताया गया कि 100 दिवसीय अभियान जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता, जांच और उपचार सेवाओं को सुदृढ़ करेगा।

श्री रामनवमी के पवित्र अवसर पर जिले के ग्राम सीतामढ़ी में आयोजित होगा प्राकट्य पर्व

अनूपपुर। श्रीरामनवमी के पवित्र अवसर पर जिले के विकासखण्ड अनूपपुर के ग्राम पंचायत खोड़री नम्बर-01 के ग्राम सीतामढ़ी (कनवाही) में प्राकट्य पर्व शुक्रवार 27 मार्च को सायं 7:00 बजे से आयोजित किया गया है। जिसका उद्देश्य लोक संस्कृति, परंपरा, मान्यताओं, पर्यटन एवं धरोहरों को जोड़ने का प्रयास करना है। गरिमामय कार्यक्रम में बघेली लोक गायन अजय कुमार एवं साथी, सीधी तथा रामलीला अरविंद कुमार पटेल एवं साथी, सीधी एवं भक्ति गायन सुजीत तिवारी एवं साथी, वाराणसी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन अनूपपुर के सहयोग से किया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अधिकारियों को दायित्व सौपे हैं। जिला प्रशासन ने सीतामढ़ी में आयोजित प्राकट्य पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी से सहभागिता निभाने की अपील की है।

जिले के सभी ब्लॉकों में अनिवार्य रूप से कराएं पंप ऑपरेटरों की ट्रेनिंग- कलेक्टर

अनुपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले के समस्त ब्लॉकों में पंप ऑपरेटरों की ट्रेनिंग गंभीरता एवं तत्परता के साथ कराई जाए, ताकि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से ऑपरेटरों को तकनीकी दक्षता प्रदान की जाए, जिससे हैंडपंप एवं नल-जल योजनाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। कलेक्टर हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

आईजीएनटीयू में छात्रों का प्रदर्शन

मांगों पर आंशिक राहत, कई मुद्दे अभी भी अधर में

अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू) में छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। कुलसचिव की ओर से जारी आधिकारिक जवाब में छात्रों की प्रमुख मांगों पर प्रतिक्रिया दी गई है। हालांकि कुछ मामलों में राहत देने की बात कही गई है, लेकिन ज्यादातर मुद्दों पर "प्रक्रिया जारी है" और "बजट मिलने पर" जैसे जवाब देकर प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

आईजीएनटीयू में बीते दिनों छात्रों और शोधार्थियों द्वारा किए गए घेराव और विरोध प्रदर्शन का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पर बिंदुवार जवाब जारी किया है, जिसमें आवास व्यवस्था, खेल सुविधाएं, प्लेसमेंट, वाई-फाई और अनुशासनात्मक कार्यवाही जैसे अहम मुद्दों को शामिल किया गया है। हालांकि प्रशासन ने यह स्वीकार किया है कि कई व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है, लेकिन अधिकांश मांगों को तत्काल लागू करने के बजाय उन्हें भविष्य की योजनाओं और प्रक्रियाओं से जोड़ दिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन फिलहाल समय खरीदने की रणनीति अपना रहा है। छात्रों के लिए राहत की बात यह है कि उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया गया और कई बिंदुओं पर सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं, दूसरी ओर ठोस समयसीमा और स्पष्ट निर्णय के अभाव में असंतोष पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन के ये आश्वासन जमीनी हकीकत में कब तक बदलते हैं।

छात्रावास व्यवस्था में भीड़ कम करने का वादा, समाधान अधूरा

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोन शोध छात्रावास में भीड़भाड़ की समस्या को स्वीकार करते हुए प्रति कमरे में 3 छात्रों को रखने की व्यवस्था लागू करने की बात कही है। इसके लिए बैठक आयोजित करने का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें छात्रों की सुविधा और हितों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था सुधारने का दावा किया गया है। हालांकि, यह निर्णय छात्रों की मूल मांग में व्यवस्थित और आरामदायक आवास को पूरी तरह संतुष्ट नहीं करता है। वहीं, नर्मदा छात्रावास को खाली कराने की मांग पर प्रशासन ने सीधे तौर पर कोई ठोस समयसीमा नहीं दी है। सिर्फ यह कहा गया है कि वहां रह रहे कर्मचारियों को धीरे-धीरे अन्य आवास आवंटित कर छात्रावास खाली कराया जाएगा। इससे साफ है कि यह प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है और छात्रों को तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और खेल गतिविधियां में राहत के संकेत, पर स्पष्ट नीति नहीं

छात्रों की मांग थी कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एंट्री पूरी तरह निशुल्क की जाए और पूर्व की तरह खेल टीमों को बाहरी प्रतियोगिताओं में भेजा जाए। प्रशासन ने इस पर जवाब देते हुए कहा है कि छात्रों की एंट्री को लेकर संतुलित व्यवस्था बनाई जाएगी और खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाएंगे। हालांकि, यह जवाब पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। न तो एंट्री शुल्क खत्म करने की सीधी घोषणा की गई है और न ही बाहरी प्रतियोगिताओं में भागीदारी को लेकर ठोस नीति बताई गई है। इससे यह अंदेशा बना हुआ है कि छात्रों को सीमित ही राहत मिलेगी और खेल गतिविधियों में पहले जैसी सक्रियता लौटने में समय लग सकता है।

प्लेसमेंट सेलः कागजों में सक्रिय, जमीनी स्तर पर सवाल बरकरार

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दावा किया है कि प्लेसमेंट सेल पहले से ही स्थापित है और उसे और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। साथ ही विभागों में वर्कशॉप और रोजगार मेलों के आयोजन की भी बात कही गई है। लेकिन शोधार्थी नितिन मिश्रा और विशाल ताम्रकार का आरोप है कि अब तक प्लेसमेंट सेल केवल नाम मात्र का ही रहा है और छात्रों को वास्तविक रोजगार के अवसर नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में सिर्फ "प्रभावी बनाने" का आश्वासन पर्याप्त नहीं माना जा सकता है। छात्रों को उम्मीद है कि विश्वविद्यालय ठोस कदम उठाकर नियमित प्लेसमेंट ड्राइव, इंडस्ट्री कनेक्शन और स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू करेगा।

वाई-फाई और डिजिटल सुविधाएं फाइलों में आगे बढ़ा मामला

सभी विभागों और छात्रावासों में हाई-स्पीड वाई-फाई की मांग पर प्रशासन ने कहा है कि इसके लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। बजट स्वीकृत होते ही इस सुविधा को लागू किया जाएगा। यह जवाब छात्रों के लिए निराशाजनक भी है, क्योंकि इसका मतलब है कि फिलहाल कोई तत्काल सुधार होने वाला नहीं है। आज के डिजिटल युग में जहां ऑनलाइन रिसर्च और पढ़ाई अनिवार्य हो गई है, वहां वाई-फाई जैसी बुनियादी सुविधा का अभाव छात्रों की पढ़ाई पर सीधा असर डाल रहा है।

11 शोधार्थियों पर कार्यवाही में जांच समिति बनी, फैसला टला

सबसे विवादित मुद्दे में 11 शोधार्थियों के निष्कासन रहा है पर प्रशासन ने जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। यह समिति पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करेगी और विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार निर्णय लिया जाएगा, साथ ही, जांच के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की उपस्थिति सुनिश्चित करने की बात भी कही गई है, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, जब तक जांच पूरी नहीं होती, तब तक निष्कासन पर अंतिम निर्णय टल गया है। यह छात्रों के लिए आंशिक राहत जरूर है, लेकिन पूरी तरह संतोषजनक नहीं है।

सांस्कृतिक गतिविधियांः परंपरा को मिली स्वीकृति

छात्रों की सांस्कृतिक मांगों पर प्रशासन ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए हनुमान मंदिर स्थापना दिवस के आयोजन की अनुमति देने की बात कही है। यह निर्णय छात्रों के लिए राहत भरा है, क्योंकि इससे उनकी आस्था और सांस्कृतिक गतिविधियों को सम्मान मिला है। हालांकि, छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय को सिर्फ एक आयोजन तक सीमित न रहकर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देना चाहिए, जिससे कैंपस का माहौल सकारात्मक और जीवंत बना रहे। बहरहाल कुल मिलाकर देखा जाए तो छात्रों के आंदोलन ने प्रशासन को झुकने पर मजबूर जरूर किया है। कई मुद्दों पर सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ठोस निर्णय और समयसीमा का अभाव साफ नजर आता है।

बाजार में पहुंचने लगे तरबूज, खरबूज, खीरा गर्मी के बढ़ते ही बढ़ने लगी डिमांड

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

गर्मी का असर बढ़ते ही राजनगर बाजार में तरबूज और खरबूज, खीरा, ककड़ी की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। तापमान में लगातार इजाफा होने के साथ ही लोग शरीर को ठंडक देने वाले फलों की ओर रुख कर रहे हैं। जिससे इन फलों की बिक्री में भी खासा उछाल देखा जा रहा है। राजनगर बाजार में इन दिनों तरबूज और खरबूज, खीरा, की भरपूर आवक हो रही है। आसपास के ग्रामीण केवई नदी, सोन नदी के इलाकों से किसान बड़ी मात्रा में इन फलों को बाजार में ला रहे हैं। जिससे राजनगर रविवारीय एवं बुधवारी बाजार में रौनक बढ़ गई है। गर्मी बढ़ने के साथ मांग और ज्यादा बढ़ने की संभावना है। फिलहाल कीमतें सामान्य बनी हुई जिससे आम लोगों को भी आसानी से ये फल उपलब्ध हो रहे हैं। वहीं किसानों को भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज और खरबूज जैसे मौसमी फल एवं खीरा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सहायक होते हैं और लू से बचाव में भी मदद करते हैं। यही कारण है कि गर्मी के मौसम में इनकी खपत बढ़ जाती है। गर्मी के बढ़ते प्रभाव के साथ तरबूज और खरबूज, खीरा की मांग और आपूर्ति दोनों में तेजी देखने को मिल रही है, जिससे बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है। राजनगर क्षेत्र में बढी आवक से ही खरीददारों की भीड़ देखने को मिल रही है।

भालूमाड़ा शासकीय हाई स्कूल में छात्राओं को कराटे प्रशिक्षण

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ा कदम

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाते हुए शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा में छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय में कक्षा 6 से 10 तक की छात्राएं नियमित रूप से कराटे सीख रही हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक छात्राओं को कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षक सृष्टि गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं में काफी उत्साह और लगन देखने को मिल रही है। छात्राएं पूरे मनोयोग से आत्मरक्षा के विभिन्न दांव-पेंच सीख रही हैं। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि वर्तमान समय में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से विद्यालय में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि छात्राएं किसी भी परिस्थिति में स्वयं की रक्षा करने में सक्षम बन सकें। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का प्रयास है कि अधिक से अधिक छात्राएं इस प्रशिक्षण से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं की बेहतर सहभागिता और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से छात्राओं के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विद्यालय में चल रहे इस कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे खुद को अधिक सुरक्षित एवं सक्षम महसूस कर रही हैं। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है।

शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में सीएमसीएलडीपी क्लास का किया गया संचालन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

22 मार्च को शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में सीएमसीएलडीपी क्लास का संचालन किया गया जिसमें डॉक्टर केएल दीवान के उपस्थिति में कैंसर सर्वाइवल जैसे घातक बीमारी की जानकारी एवं किशोरी बालिकाओं टीकाकरण, ग्राम पंचायत एवं ग्राम में चल रहा अभियान को सफल बनाने के लिए सभी स्टूडेंट को जागरूकता करने की पहल दिया गया। तत्पश्चात मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत चल रही अभियान जैसे जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून तक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नवांकुर संस्था ग्राम/नगर विकास प्रस्फुटन समिति के द्वारा जन जागरूकता सभी ग्रामीण जन को अभियान सफल बनाने में जैसे रैली बोरी बंधान कार्यक्रम गोविंदा गांव जलाशय नाला के पास बोरी बंधान का कार्यक्रम किया गया जिसमें उपस्थित विकासखंड समन्वयक सरिमन साकेत, नगर/ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राम सोनी, आनंद शर्मा, सीएमसीलडीपी के परामर्शदाता श्रीमती रश्मि रैकवार, सरिता त्रिपाठी, प्रिंस पांडे, अजय शर्मा, प्रतिभा साहू एवं सीएमसीलडीपी के स्टूडेंट मीनू तिवारी, मीना सिंह, राधा विश्वकर्मा, ज्योति सिंह, अनुराधा सेंगर, अंजलि रजक, शोभा, मुस्कान केवट, काजल सिंह, कामेश्वरि देवी साहू, सरस्वती साहू, बेला सिंह, साक्षी चौधरी, शिल्पा केसरवानी, रागिनी पनिका, अंजू सिंह, सुषमा सिंह, अंजलि, खेमराज यादव, देवांश रैकवार, सुनील राव, थानेश्वर वर्मा, खुशबू शर्मा इत्यादि इस अभियान में सफल बनाने में सभी का सहयोग किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 57 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 57 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम लमसरई निवासी श्रीमती बुल्ली बाई ने संबल योजना के अंतर्गत सहायता राशि दिलाए जाने, वार्ड क्र. 01 अनूपपुर निवासी कमलेश कुमार वस्त्रकार ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम सकोला निवासी श्रीमती सिमला भरिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा समग्र आईडी में सुधार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् पसान, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

509 / ई-टेंडरिंग / पसान / 2026 (द्वितीय आमंत्रण) अनुभाग-1 पसान, दिनांक :- 16.03.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाइन प्रतिशत दर की निविदा पंजीकृत ठेकेदारो और पंजीकरण मानदडों को पूरा करने वाली फर्मो से आमंत्रित की जाती है :-

क्र./ टेण्डर क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (रुपये) लाख में	धरोहर राशि (EMD) (रुपए में)	निविदा प्रपत्र की लागत (रुपए में)	ठेकेदार की श्रेणी	पूर्णता की अवधि (दिन में)
2026_UAD_491315_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN WARD NO.-02, MUKESH JHA HOUSE TO LAKHAN SONI HOUSE IInd Call	1204163/-	9040/-	2000/-	ठेकेदार न्यू सेंट्रलाइज्ड PWD पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से पंजीकृत	90 दिवस

1. इच्छुक निविदाकार बेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर एनआईटी देख सकते है। 2 निविदा प्रपत्र 10:30 समय 17/03/2026 दिनांक से 17:30 समय 01/04/2026 तक ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। 3. एनआईटी में संशोधन यदि कोई हो तो केवल बेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नही । 4. विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में निर्माण शाखा में देखी व प्राप्त की जा सकती है।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् पसान जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् पसान जिला - अनूपपुर (म.प्र.)